

परिधन पुं. (तद्.) अधोवस्त्र, कमर से नीचे का भाग ढकने के लिए पहना जाने वाला वस्त्र यथा- धोती, लुंगी आदि।

परिधर्म पुं. (तत्.) यज्ञ में काम आने वाला एक विशिष्ट पात्र, एक ऐसा यज्ञ पात्र जिसमें मदिरा बनाई जाती थी।

परिधर्षण पुं. (तत्.) 1. आक्रमण 2. तिरस्कार, अपमान 3. दुर्व्यवहार, दूषित व्यवहार।

परिधान पुं. (तत्.) 1. शरीर को ढकने वाले वस्त्र, ओढ़ने या पहनने के वस्त्र 2. पोशाक, पहनावा 3. कमर के नीचे का हिस्सा ढकने के लिए पहने जाने वाले वस्त्र जैसे- लुंगी, धोती, पायजामा आदि 4. प्रार्थना या स्तुति की समाप्ति, अंत करना।

परिधानीय वि. (तत्.) 1. परिधान योग्य, पहनने योग्य 2. जो पहना जाए, वस्त्र।

परिधापन पुं. (तत्.) पहनाना।

परिधाय पुं. (तत्.) 1. पहनावा, परिधेय, वस्त्र, कपड़ा, पोशाक 2. जलस्थान, ऐसा स्थान जहाँ जल हो 3. नितंब 4. जनपद, वह स्थान जहाँ जनता एकत्रित हो 5. दल-बल।

परिधायक वि. (तत्.) 1. ढकने वाला, लपेटने वाला, चारों तरफ से घेरने वाला 2. चारदीवारी 3. बाड़ा।

परिधायन पुं. (तत्.) वस्त्र, पहनावा।

परिधारण पुं. (तत्.) 1. उठाना, धारण करना, अपने ऊपर ले लेना 2. बचा रखना, रक्षा करना।

परिधावन पुं. (तत्.) 1. पहनने की प्रेरणा देना, बनना 2. पहनवाना 3. दौड़ना, भागना, तेज दौड़ना 4. पीछे-पीछे दौड़ना।

परिधावी वि. (तद्.) 1. दौड़ने वाला, किसी के चारों ओर दौड़ने वाला 2. बहने या द्रवित होने वाला 3. बृहस्पति के 5 वर्ष के फेरे या युगचक्र में से 46वाँ या 20वाँ वर्ष।

परिधि स्त्री. (तत्.) 1. किसी गोल वस्तु या पदार्थ के चारों ओर खींची गई रेखा, घेरा 2. रेखागणित

के अनुसार ऐसी रेखा जो किसी वृत्त के चारों ओर खिंची हुई हो 3. सूर्य और चंद्रमा के चारों ओर बनने वाला प्रकाश-घेरा, परिवेश, मंडल 4. किसी वस्तु या व्यक्ति आदि की रक्षा के लिए बनाया गया घेरा 5. वृत्त, दायरा, घेरा (सर्किल) 6. नियमित मार्ग, कक्षा 7. परिधेय, वस्त्र, कपड़ा, पोशाक 8. प्रकाशमंडल 9. आवरण 10. पहिए का घेरा 11. क्षितिज 12. यज्ञ मंडप के आस-पास गाढ़े जाने वाले तीन खूँटे 13. समुद्र, जिसने पृथ्वी को घेरा हुआ है।

परिधिस्थ वि. (तत्.) 1. परिचारक, सेवक, नौकर, परिचर 2. रथ के चारों ओर खड़े होकर शत्रु से रथ एवं रथी की रक्षा करने वाले सैनिक।

परिधीर वि. (तत्.) गंभीर, अतिशय धीर, परमधीर।

परिधूपित वि. (तत्.) 1. पूर्णतः धूप से युक्त 2. पूरी तरह सुगंध युक्त।

परिधूमन पुं. (तत्.) 1. डकार 2. एक प्रकार का रोग जिसमें उल्टी या मतली होने का भाव बना रहता है, सुश्रुत के अनुसार तृष्णा रोग।

परिधूसर वि. (तत्.) धूल-धूसर, अत्यधिक धूल युक्त।

परिधेय वि. (तत्.) पहनने या धारण करने योग्य, परिधान के लिए उपयुक्त पुं. वस्त्र, पोशाक, कपड़ा, नीचे या अंदर पहना जाने वाला वस्त्र।

परिध्वंस पुं. (तत्.) 1. अत्यंत विनाश, पूर्णतः समाप्त प्रायः या मिटा हुआ, बर्बाद, जो पूरी तरह ध्वंस हो 2. जातिच्युत 3. वर्णसंकरता 4. उपप्लव।

परिनंदन वि. (तत्.) संतोषप्रद पु. संतोष देना, संतुष्ट करना।

परिनय पुं. (तद्.) दे. परिणय।

परिनिर्णय पुं. (तत्.) 1. किसी विवाद के संदर्भ में पंचों द्वारा दिया गया निर्णय 2. ऐसा पत्र जिसमें पंचों का निर्णय लिखा गया हो, पंचाट।

परिनिर्वपण पुं. (तत्.) प्रदान करना, देना, बाँटना।